भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 05 दिसंबर, 2025
जारी करने का समय: 1530 घंटे

विषय: (i) 05 दिसंबर को दक्षिण तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।
(ii) 06 और 07 दिसंबर को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर-पश्चिम झारखंड तथा उत्तरी आंतरिक ओडिशा के अलग-अलग हिस्सों में शीत लहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है; 06 दिसंबर को उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में भी शीत लहर रहेगी।

05 दिसंबर, 2025 को 0830 घंटे IST समाप्त हुए पिछले 24 घंटों का वास्तविक मौसम:

- आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों, तमिलनाडु, कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों तथा रायलसीमा में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई।
- हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, असम और मेघालय तथा मणिपुर के कुछ इलाकों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) देखा गया।
- पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ स्थानों पर शीत लहर की स्थिति बनी रही।
- हरियाणा के कुछ स्थानों पर "कोल्ड डे" (ठंडा दिन) की स्थिति रही।
- उत्तराखंड के कुछ स्थानों पर जमीन पर पाला पड़ा।

मौसमी प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनियाँ (परिशिष्ट I और II देखें):

- पूर्वी बांग्लादेश और इससे सटे असम-मेघालय के ऊपर निचली क्षोभमंडलीय सतहों पर **एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण** बना हुआ है।
- दक्षिण-पूर्वी अरब सागर से दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और इससे सटे भूमध्यरेखीय हिंद महासागर तक कोमोरिन क्षेत्र के आर-पार निचली क्षोभमंडलीय सतहों पर एक **द्रोणीका** फैली हुई है।
- एक **पश्चिमी विक्षोभ** ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के रूप में उत्तरी पंजाब और आसपास के क्षेत्र में निचली क्षोभमंडलीय सतहों पर स्थित है।
- एक **प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण** उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्र में निचली क्षोभमंडलीय सतहों पर बना हुआ है।
- एक अन्य **पश्चिमी विक्षोभ** मध्य क्षोभमंडल की पश्चिमी हवाओं में द्रोणीका के रूप में लगभग देशांतर 60°E के साथ अक्षांश 36°N के उत्तर में दिखाई दे रहा है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

- 5 दिसंबर तथा 8 दिसंबर को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद; 5 व 7 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश तथा 7 व 8 दिसंबर को उत्तराखंड में कई जगहों पर **हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी** होने की संभावना है।
- 5 दिसंबर को दक्षिणी तमिलनाडु के कुछ स्थानों पर **गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश** होने तथा कहीं-कहीं **भारी बारिश** होने की बहुत संभावना है।
- 5 और 6 दिसंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा 5 दिसंबर को केरल और माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में कई जगहों पर **गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश** होने की संभावना है।
- 5 से 7 दिसंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में **गरज-चमक के साथ तेज़ हवाएँ (30-40 किमी/घंटा, झोंकों में 50 किमी/घंटा तक)** चलने की संभावना है।

आज 0830 घंटे IST तक पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान की स्थिति:

- **न्यूनतम तापमान** जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद के अधिकांश स्थानों पर **5°C से कम;** हिमाचल प्रदेश के कई स्थानों पर; उत्तराखंड और पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों पर दर्ज किए गए। **5°-10°C की रेंज में** उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब के कई स्थानों पर; मध्य प्रदेश व पश्चिमी राजस्थान के कुछ स्थानों पर तथा छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार और झारखंड के अलग-अलग स्थानों पर रहा। पूरे मैदानी भारत में **सबसे कम न्यूनतम तापमान 2.0°C आदमपुर (पंजाब)** में दर्ज किया गया।
- न्यूनतम तापमान सामान्य से (−1.6°C से −3.0°C तक) नीचे पंजाब और पूर्वी राजस्थान के कई स्थानों पर; पश्चिम मध्य प्रदेश तथा विदर्भ के कुछ स्थानों पर; हिमाचल प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसढ़ और गंगा के पश्चिम बंगाल के अलग-अलग स्थानों पर; (−3.1°C से −5.0°C तक) काफी नीचे उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ स्थानों पर; (−5.1°C या उससे अधिक) बहुत नीचे दिल्ली और हरियाणा के अलग-अलग स्थानों पर रहा। (परिशिष्ट IV देखें)

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 3 दिनों तक न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है, उसके बाद कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।
- महाराष्ट्र में अगले 4 दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा, उसके बाद 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट संभव है। गुजरात क्षेत्र में आगामी 7 दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई उल्लेखनीय बदलाव की संभावना नहीं है।
- देश के मध्य, पूर्वी और पूर्वोत्तर हिस्सों में अगले 7 दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

घना कोहरा और शीत लहर चेतावनी:

- 6 और 7 दिसंबर को पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, उत्तर-पश्चिमी झारखंड और उत्तरी आंतरिक ओडिशा तथा 6 दिसंबर को उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों पर **शीत लहर की स्थिति** बने रहने की बहुत संभावना है।
- **सुबह के शुरुआती घंटों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना:** 6 से 10 दिसंबर तक असम-मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के कुछ इलाकों में; 6 से 8 दिसंबर तक हिमाचल प्रदेश में तथा 6 व 7 दिसंबर को ओडिशा में।

मछुआरों के लिए चेतावनी (5 से 10 दिसंबर 2025):

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि इस दौरान निम्न क्षेत्रों में न जाएँ:

- **अरब सागर:** 5 दिसंबर को दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, लक्षद्वीप क्षेत्र तथा केरल-कर्नाटक तट के साथ और पास के समुद्री इलाकों में।

ii) दिल्ली/एनसीआर में 05-08 दिसंबर 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (परिशिष्ट III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

दर्ज की गई महत्वपूर्ण वर्षा (सेमी में) (कल IST 0830 घंटे से आज IST 0830 घंटे तक):

- **तटीय आंध्र प्रदेश और यनम:** नेल्लोर (जिला श्री पोट्टी श्रीरामुलु नेल्लोर) 10;
- **तटीय कर्नाटक:** बंतवाल-कडेशवाल्या (जिला दक्षिण कन्नड़) 9, मडंत्यारू, बेल्थंगडी (जिला दक्षिण कन्नड़) 8;
- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल:** उथुकोट्टाई (जिला तिरुवल्लूर) 9, ओक्कियम थोरैपक्कम - जोन 15 (जिला चेन्नई) तथा VIT चेन्नई AWS (जिला चेंगलपट्टू) 7;
- **रायलसीमा:** कोदूर (जिला वाईएसआर कडपा) 7.

दृश्यता रिपोर्ट की गई (≤200 मीटर) (मीटर में):

- **ओडिशा:** राउरकेला 50 मीटर;
- **असम और मेघालय:** बारापानी 50 मीटर, जोरहाट 100 मीटर;
- **मणिपुर:** इंफाल 100 मीटर;
- **हिमाचल प्रदेश:** बिलासपुर 100 मीटर.

अनुलग्नक I

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	5- Dec	6- Dec	7- Dec	8- Dec	9- Dec	10- Dec	11- Dec
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

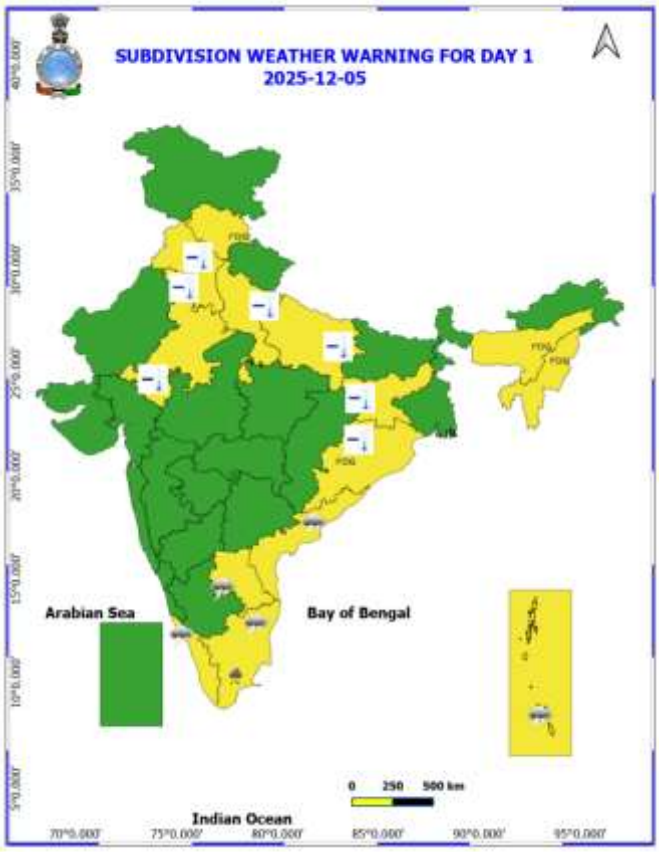
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-12-05
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

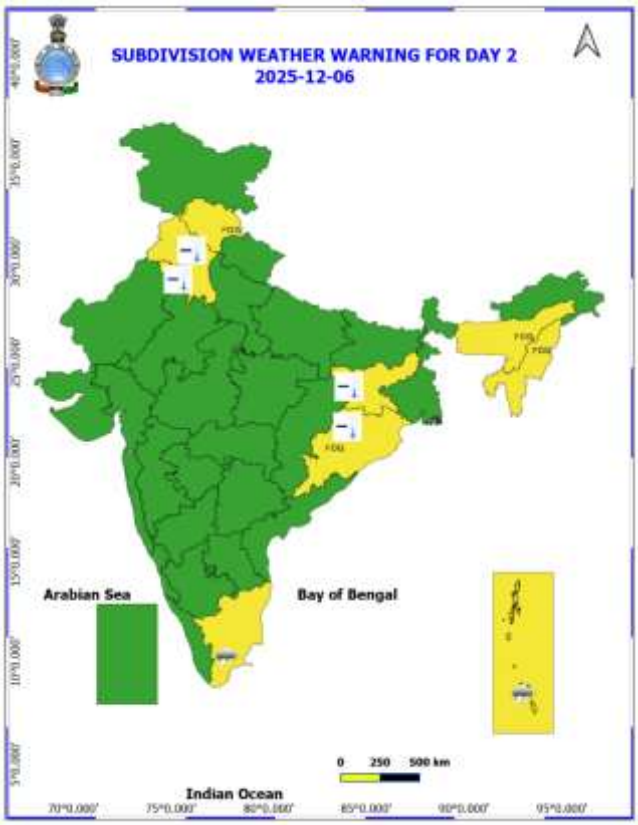
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-12-06
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

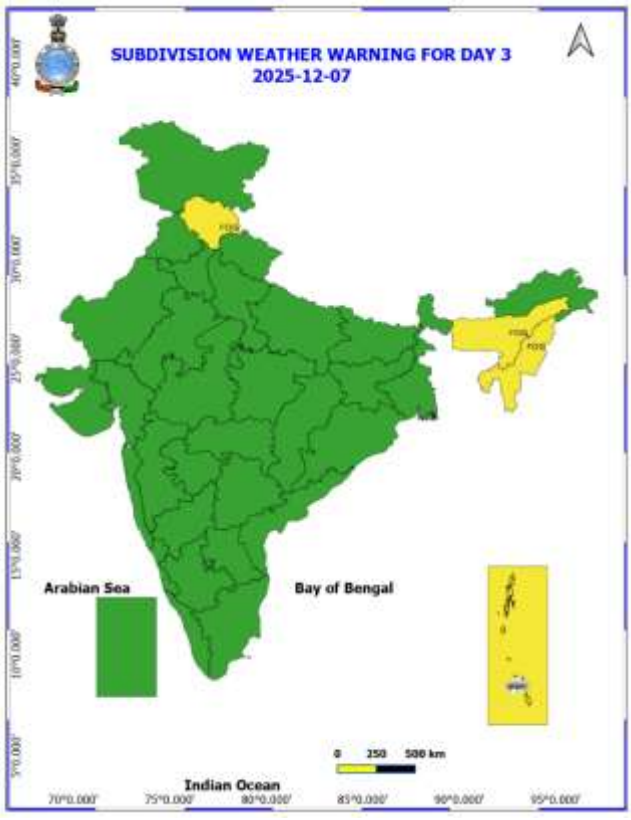
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-12-07
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

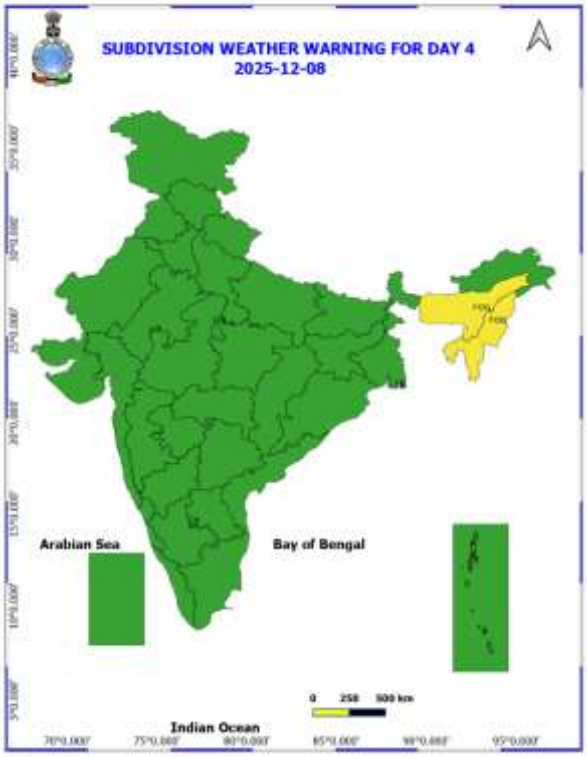

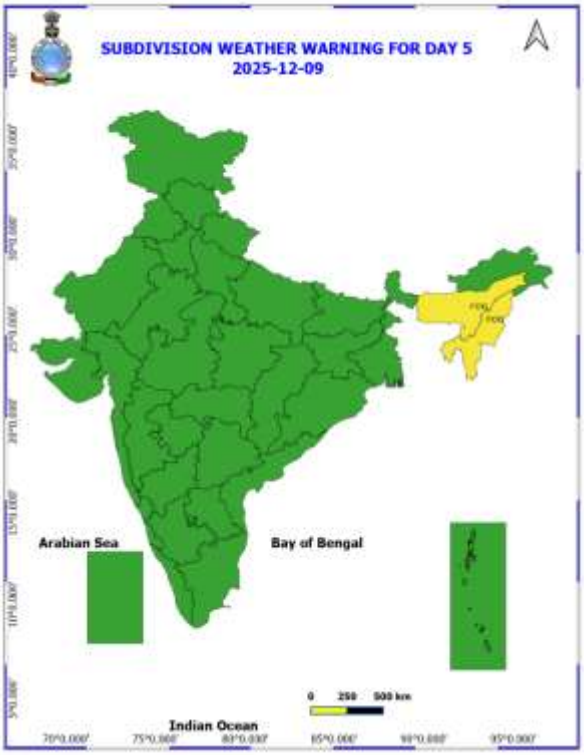

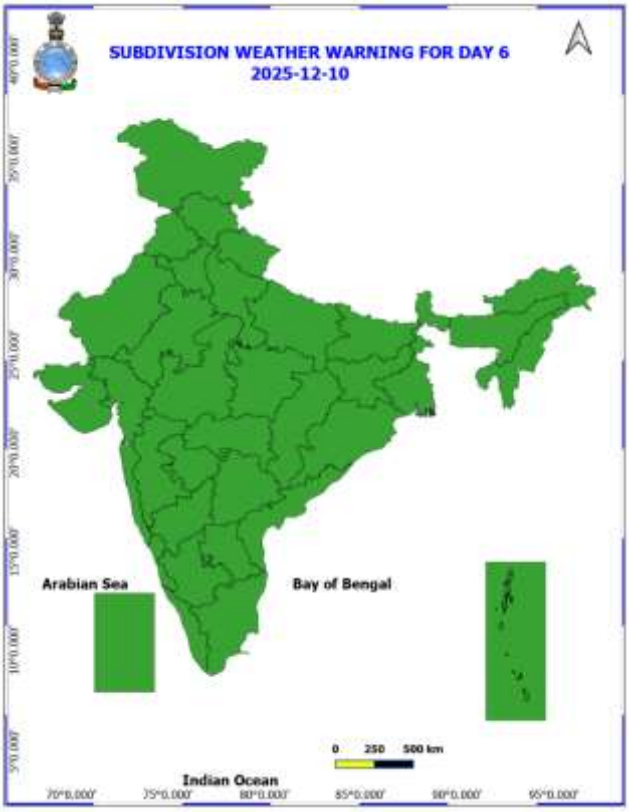

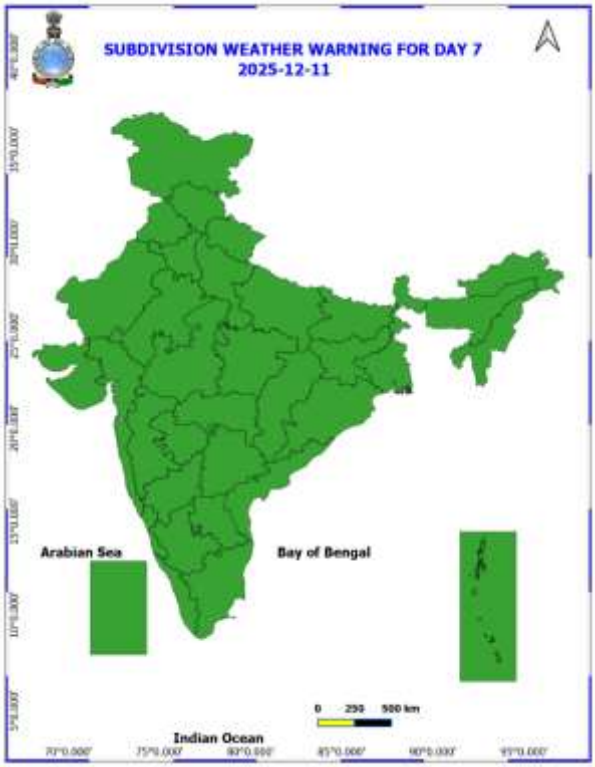

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

दिल्ली/एनसीआर में 05 दिसंबर से 08 दिसंबर 2025 तक के लिए मौसम पूर्वानुमान

पिछलामौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20 से 23°C और 06 से 07°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम) और कुछ जगहों पर सामान्य से काफी नीचे (-3.1 से -5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) रहा। अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से काफी नीचे (-3.1 से -5.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5 से 1.5°C) रहा। सफदरजंग एयरपोर्ट पर 05.12.2025 को 0630 बजे IST से 0800 बजे IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 1200m रिकॉर्ड की गई, जो उसके बाद 0830 बजे IST पर 1500m हो गई। पालम एयरपोर्ट पर 05.12.2025 को 0800 बजे IST से 1000 बजे IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 1300m रिकॉर्ड की गई, जो उसके बाद 1030 बजे IST पर 1500m हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान मुख्य रूप से आसमान साफ रहा और सतह पर हवा पश्चिम दिशा से 16 kmph की स्पीड से चली। आज सुबह भी इलाके में मुख्य रूप से आसमान साफ रहा और हवा पश्चिम दिशा से 10 kmph की स्पीड से चली।

मौसम का पूर्वानुमान:

05.12.2025: मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा। रात में धुंध/हल्की धुंध रहेगी। अधिकतम तापमान 21 से 23°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.7 से -3.7°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph की स्पीड से चलने की संभावना है। शाम और रात में हवा की स्पीड उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 kmph तक कम हो जाएगी।

06.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्की धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22 से 24°C और 07 से 09°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-0.5 से -2.5°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.3 से -3.3 °C) रहेगा। सुबह के समय हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़ेगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 22 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति कम हो जाएगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

07.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्की धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23 से 25°C और 08 से 10°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-0.8 से -1.8 °C) रहेगा। सुबह के समय हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति कम हो जाएगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

08.12.2025: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय हल्की धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 24°C से 26°C और 8°C से 10°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से होगी और हवा की स्पीड 10 kmph तक हो सकती है।

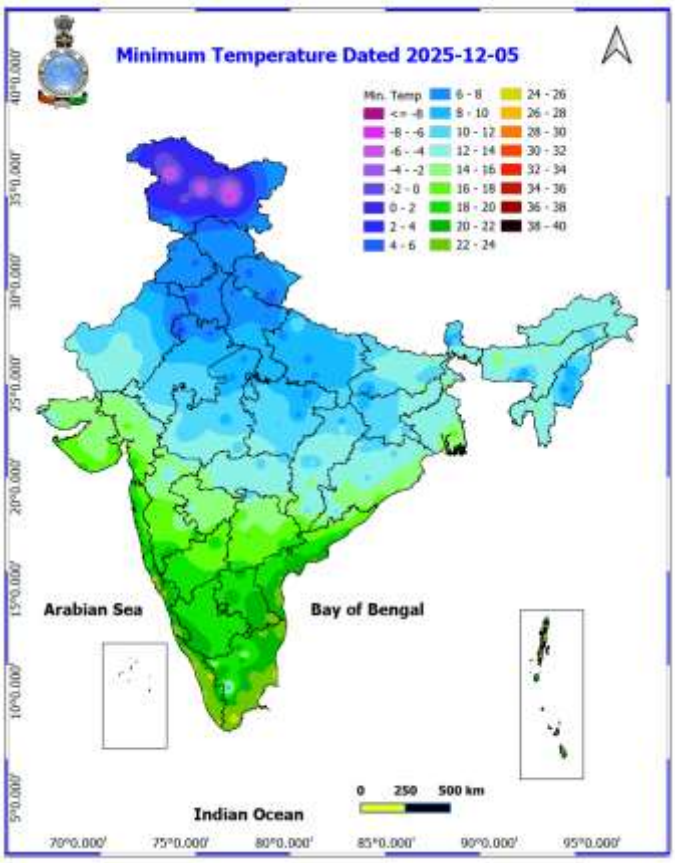

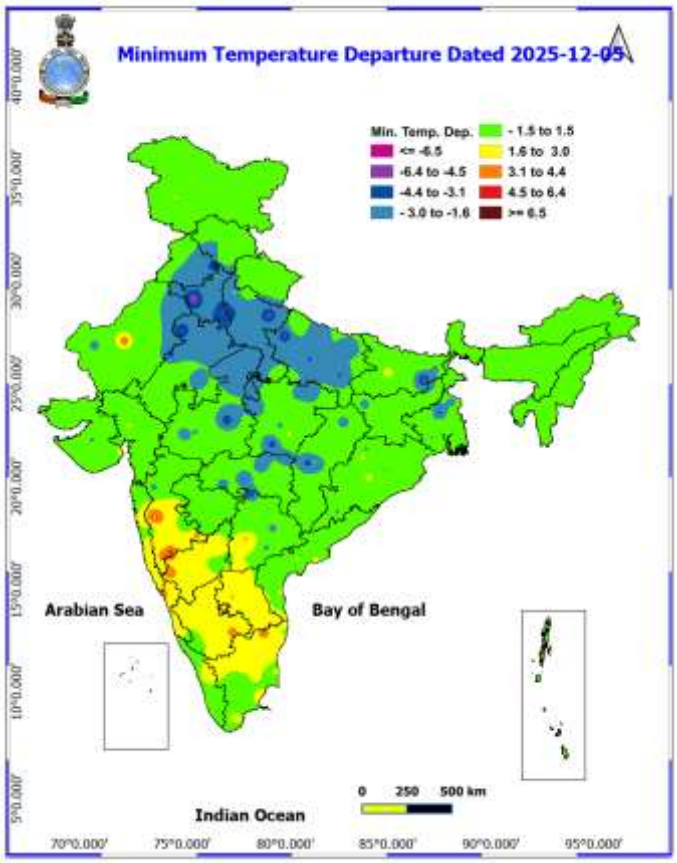

शीत लहर की स्थिति के कारण 6 और 7 दिसंबर को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, झारखंड और ओडिशा में और 6 दिसंबर को उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में शीतलहर की स्थिति के कारण असर पड़ने की उम्मीद है।

प्रभाव अपेक्षित

- फ्लू, बहती/नाक बंद होना या नाक से खून आना जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, जो आमतौर पर ठंड के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं या बढ़ जाती हैं।
- कंपकंपी को नजरअंदाज न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है। घर के अंदर आ जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से शीतदंश हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः शरीर के खुले हिस्सों जैसे उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और/या कानों पर काले छाले दिखाई देते हैं। गंभीर शीतदंश में तत्काल चिकित्सा ध्यान और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र पर प्रभाव।

सुझाए गए उपाय:

- ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों की उंगलियों को अच्छी तरह से ढकें क्योंकि शरीर की अधिकांश ऊष्मा इन्हीं अंगों से निकलती है। भारी कपड़े की एक परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- पर्याप्त प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्ज़ियाँ खाएँ और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएँ।
- बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- शरीर को सूखा रखें, यदि गीला हो, तो शरीर की गर्मी को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदलें। इंसुलेटेड/वाटरप्रूफ जूते पहनें।
- शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- यदि प्रभावित त्वचा का हिस्सा काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।
- जहरीले धुएं से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- संवेदनशील लोगों के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता है।
- शीतदंश/ हाइपोथर्मिया से पीड़ित व्यक्ति के लिए जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता लें।
- पशुओं को ठंड के मौसम से बचाएँ।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **तमिलनाडु** में, मूंगफली की बुवाई स्थगित करें। धान, मूँगफली, गन्ना, कपास, उड़द, मक्का और सब्जियों के खेतों तथा नारियल, केले, सुपारी, आम, रबर, दालचीनी और काली मिर्च के बागानों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। धान के खेतों में फसल को गिरने से बचाने हेतु सिंचाई वाली नालियों और खेतों की मेड़ों को मजबूत करें। केले के पौधों को गिरने से बचाने हेतु लकड़ी के स्तंभों से सहारा प्रदान करें।
- **रायलसीमा** में, चावल की नर्सरी, गन्ने और पहले से बोए गए चना और उड़द से अतिरिक्त जल की निकासी करें। पहले से रोपे गए चावल के खेतों में इष्टतम जल स्तर बनाए रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

शीत लहर / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पूर्व राजस्थान, उत्तरी आंतरिक ओडिशा और झारखंड** में, खड़ी फसलों को निम्न तापमान के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। मृदा में पर्याप्त तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें और सब्जियों की नर्सरी और फलों के छोटे पौधों को पुआल या पॉलीथीन शीट से ढक दें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।
- मुर्गी शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

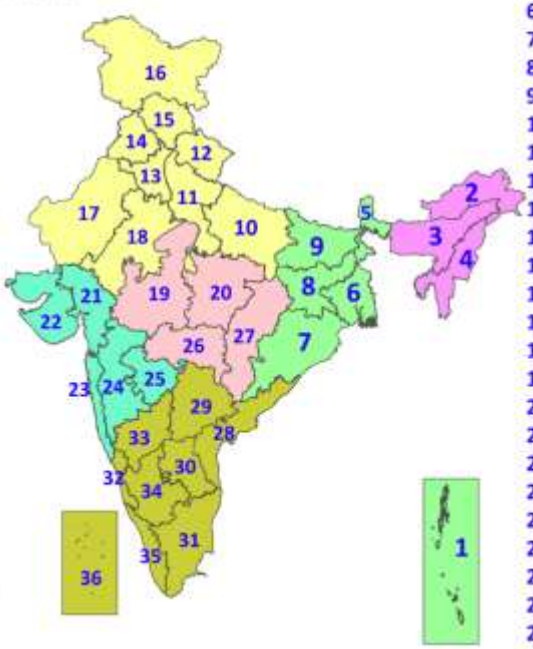

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)